समापन • पिलानी में चल रही स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग मॉडल प्रतिस्पर्धा का हुआ समापन, युवाओं ने दिखाए मॉडल

तकनीकी क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाएं युवा वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज | पिलानी

भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएस- 2020) के तहत सीएसआईआर-सीरी और विज्ञान भारती-राजस्थान की साझा मेजबानी में आयोजित स्टुडेंट्स इंजीनियरिंग मॉडल प्रतिस्पर्द्धा और प्रदर्शनी का शुक्रवार को विधिवत रूप से सीएसआईआर-सीरी के जयपुर केंद्र में समापन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारी उद्योग एवं संसदीय मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को याद करते हुए कहा कि वे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन सोच विकसित करने पर बल देते थे। छात्रों में वैज्ञानिक सोच का विकास होना बहुत जरूरी है। उन्होंने सीरी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसके वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक सोच और चिंतन की प्रशंसा की। इस महोत्सव में युवाओं ने नवाचारों से जुड़े मॉडल्स प्रदर्शित किए जिनकी देशभर के विशेषज्ञों की तारीफ की। वक्ताओं ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे तकनिकी क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाएं।

पिलानी. कार्यक्रम में शिरकत करते सीरी के अधिकारी व अन्य।

युवा शक्ति को मिला मंच : अध्यक्षीय उद्बोधन में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने देश में आईआईएसएफ जैसे महोत्सवों की प्रासंगिकता बताते हुए देश की युवा शक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवा शक्ति को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने बदलते भारत की तस्वीर प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि हम खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं के मामले में आत्म निर्भर हुए हैं।

युवाओं के माडल्स से होगा समस्याओं का निराकरण

विज्ञान प्रसार के निदेशक डॉ. नकुल पराशर ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में प्रस्तुत युवाओं के मॉडल्स के आधार पर बनने वाली चीजों से मानव जाति की अनेक समस्याओं का निराकरण होगा। सुखमय जीवन की अवधारणा साकार होगी। अन्य वक्ताओं ने इस आयोजन की संकल्पना के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और विज्ञान भारती की सराहना की। एमएसएमई राजस्थान के निदेशक वीके शर्मा ने कहा कि किसी की नकल करने के स्थान मौलिक नवाचार करना चाहिए। मॉडल प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा भी की गई।